वार्षिक प्रगति आख्या

2024—25

विश्वास संस्थान

भगवन्त कौर कालोनी, कैनाल रोड, रायबरेली उ0प्र0— 229001

विश्वास संस्थान, रायबरेली उ०प्र०

वार्षिक प्रगति आख्या वर्ष 2024–25

प्रस्तावना – विश्वास संस्थान की स्थापना वर्ष 1996–97 में जनपद रायबरेली के ग्राम जनेवा कटरा में की गयी। संस्थान का पंजीकरण वर्ष 1998–99 में कराया गया। संस्थान का प्रशासनिक कार्यालय जनपद मुख्यालय रायबरेली में स्थापित है। संस्था का संचालन कुशल सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा किया जा रहा है। संस्था का मुख्य उद्देश्य वंचितों और गरीबों की सामाजिक व आर्थिक विकासात्मक जरूरतों को पूरा करना है। वर्तमान में संस्था द्वारा संचालित कुछ विकासात्मक गतिविधियां जैसे– स्वास्थ्य एवं पोषण, क्षयरोग, माडल आंगनवाडी निर्माण व नवीनीकरण, महिला एवं बाल विकास कार्यक्रम, रोजगारपरक विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, औपचारिक व अनौपचारिक शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम, क्षमता वृद्वि प्रशिक्षण, पेयजल, हस्तशिल्प, सिलाई कढाई, कृषि आधारित प्रशिक्षण, ग्रामीण विकास कार्यक्रम व पर्यावरण संरक्षण आदि हैं। संस्था ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में सभी आयु वर्ग के लोगों को लाभान्वित कर रहा है। संस्था को सरकारी, गैर सरकारी व सोसाइटीज के साथ कार्य करने का अच्छा अनुभव है। संस्थान ने अपनी लगन, मेहनत एवं कर्मठता से जनपद एवं अन्य जिलों में ख्याति प्राप्त की। संस्थान सामाजिक वित्तीय सहयोग के साथ ही साथ सरकारी, गैर सरकारी अनुदान व सी0एस0आर0 के माध्यम से उत्तर प्रदेश में गरीब, पिछडे व वंचित वर्ग के उत्थान के लिए कार्य कर रहा है।

इन सभी कार्यक्रमों का उद्देश्य स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की चुनौतियों का समाधान करना और स्थानीय समुदायों के बीच शिक्षा को बढ़ावा देना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कई पहल की गईं। छात्रों और अभिभावकों को प्रेरित करने के लिए स्कूल ड्रेस और शैक्षिक किट प्रदान की। जिससे उन्हें शिक्षा को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इसके अतिरिक्त, समुदाय को शिक्षा के महत्व और स्कूल छोड़ने की दर से जुड़े जोखिमों के बारे में शिक्षित करने के लिए सूचना, शिक्षा और संचार विधियों के माध्यम से जागरूकता सृजन गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

लाभार्थियों के दरवाजे पर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए चिकित्सा जांच, परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान किया गया। शैक्षिक गतिविधियों के लिए अनुकूल माहौल बनाने, परामर्श और प्रेरणा प्रदान करने के लिए ग्रामीणों के साथ बैठकें आयोजित की गईं। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, स्कूल छोड़ने वालों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई, जिससे लक्षित समुदायों के बच्चों के लिए एक उज्जवल भविष्य सुनिश्चित हुआ।

इसके अतिरिक्त, व्यक्तियों को स्थायी आजीविका के अवसरों के साथ सशक्त बनाने के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। ये कार्यक्रम लकड़ी के शिल्प, ब्यूटीशियन कौशल, सिलाई, खाद्य प्रसंस्करण और मोबाइल/घरेलू उपकरणों की मरम्मत जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित थे। समुदाय को मूल्यवान कौशल से जोड करके, परियोजना का उद्देश्य उनकी आय–सृजन क्षमताओं और समग्र सामाजिक–आर्थिक कल्याण को बढ़ाना है।

ग्राम समग्र विकास परियोजना का लक्षित लाभार्थियों पर गहरा प्रभाव पड़ा। कार्यक्रम के अन्तर्गत गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सम्बन्धी गतिविधियां आयोजित की गयी। शैक्षिक अवसरों को बढ़ाया, कुपोषण स्तर को कम किया और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कौशल विकास के अवसर प्रदान किए। इस परियोजना ने सकारात्मक सामाजिक–आर्थिक परिवर्तन लाने और समुदाय के समग्र जीवन स्तर को ऊपर उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इन पहलों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रकाश व्यवस्था के बुनियादी ढांचे और समग्र सामुदायिक विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है। लाभार्थियों की विशिष्ट आवश्यकताओं को संबोधित करके और उन्हें परियोजना कार्यान्वयन प्रक्रिया में शामिल करके, विश्वास संस्थान जिला रायबरेली में हजारों व्यक्तियों के जीवन को बेहतर बनाने में सफल रहा है। इन परियोजनाओं ने न केवल तत्काल लाभ प्रदान किया है बल्कि लक्षित समुदायों में सतत विकास और दीर्घकालिक सकारात्मक बदलाव की नींव भी रखी है।

विश्वास संस्थानः स्वास्थ्य के क्षेत्र में

समग्र ग्रामीण विकास कार्यक्रम (प्रायोजकः बिरला कार्पोरेशन लि0)– विगत कई वर्षों से बिरला कार्पोरेशन लिमिटेड, रायबरेली के सहयोग से जनपद के अमावां ब्लाक व शहरी क्षेत्र में समग्र ग्राम विकास परियोजना संचालित है। परियोजनान्तर्गत स्वास्थ्य, शिक्षा, हरित ऊर्जा व कौशल विकास से सम्बन्धित विभिन्न प्रशिक्षण व जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहें है। परियोजनान्तर्गत चयनित गांवों में अति गरीब परिवारों की संख्या अत्यधिक है। सुविधाओं से वंचित इन गांवों में स्वास्थ्य, शिक्षा व रोजगार को लेकर जागरूकता नही है। लोगों जागरूक करने व समाज की मुख्यधारा से जोडने के लिए गांवों में स्वास्थ्य शिविर, सिलाई प्रशिक्षण, मातृ एवं शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, मातृत्व सुरक्षा के सम्बन्ध में आंगनबाडी व आशा बहुओं के साथ बैठक, किचेन गार्डेन आदि गतिविधियां आयोजित की गयी। इस वर्ष परियोजना में नवाचार के क्रम में संस्थान द्वारा किशोरी बालिकाओं हेतु कम्प्यूटर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। परियोजना की विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से 5000 हजार से ज्यादा लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया।

चयनित गांव एवं लाभार्थी विवरण

क्र0सं0	गांव/आ0बा0के0 का नाम	लाभार्थी संख्या
1	रसेहता–।	204
2	रसेहता–।।	187
3	पूरे बिन्दा सिंह	198
4	चक दादर	178
5	उफरामऊ	208
6	बूढनपुर	199
7	मंचितपुर	201
8	गढी खास	176
9	हरदासपुर–।	211
10	हरदासपुर–।।	207
11	चक लोहराहार	185
12	सरावां–।	217
13	सरावां–।।	153
14	कचौंदा नानकारी	186

स्वास्थ्य एवं स्वच्छता परियोजना (प्रायोजकः रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लि0)–

जनपद रायबरेली में रेलटेल कार्पोरेशन लिमिटेड नई दिल्ली के कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत आधुनिक रेलकोच कारखाना, लालगंज के आसपास के 10 गांवों में कुपोषित/गर्भवती/धात्री/किशोरियों हेतु स्वास्थ्य एवं स्वच्छता परियोजना का संचालन किया गया। जिसके अन्तर्गत परियोजना क्षेत्र में चयनित गांवों में परियोजना का प्रचार प्रसार तथा लोागों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया इसके साथ ही साथ प्रत्येक माह में कुपोषित/गर्भवती/धात्री/किशोरियों के साथ बैठक करके उनकी समस्याओं को जाना गया, स्वास्थ्य से सम्बन्धित जानकारियां दी गयी तथा समय समय पर होने वाली स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं हेतु घरेलू उपचार भी बताये गये। इसी क्रम में कुपोषित/गर्भवती /धात्री/किशोरियों को परियोजनान्तर्गत प्रत्येक माह पोषण किट भी प्रदान की गयी जिससे उनके स्वास्थ्य में सुधार हुआ। किचेन गार्डेन, स्वास्थ्य शिविर का आयोजन तथा आंगनवाडी केन्द्रो में टी0एल0एम0 किट वितरण आदि गतिविधियों का संचालन किया गया।

चयनित गांव एवं लाभार्थी विवरण

क्र0सं0	गांव का नाम	लाभार्थी संख्या पोषण किट	लाभार्थी संख्या स्वास्थ्य शिविर
1	पूरे घासी	20	237
2	तौधकपुर	19	234
3	रणगांव	17	209
4	डकौली	21	227
5	रनमऊ	20	202
6	सुल्तानपुर जाला	20	210
7	सुल्तानपुर खेडा प्रथम	19	202
8	सुल्तानपुर खेडा द्वितीय	22	195
9	पूरे लाल जी	19	306
10	हिमांचलखेडा	23	233

700 क्षयरोगियों का अंगीकरण एवं पोषण पोटली वितरण परियोजना (प्रायोजकः डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लि0)–

क्षयरोग या टी0बी0 भारतीय समाज की एक ज्वलंत समस्या है इसके उन्मूलन हेतु सरकारों द्वारा निरन्तर प्रयास किए जा रहें है। इसी क्रम में डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर कार्पोरेशन ऑफ इण्डिया लि0, नई दिल्ली द्वारा जनपद के क्षयरोगियों को जागरूक करने तथा स्वास्थ्य देखभाल हेतु 700 क्षयरोगियों के अंगीकरण एवं पोषण किट वितरण का कार्यक्रम संचालित किया गया। परियोजना के अन्तर्गत लाभार्थियों का चयन तथा जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जनपद में कुल 700 पोषण किटों का वितरण कराना सुनिश्चित किया गया।

चयनित गांव एवं लाभार्थी विवरण

क्र0सं0	स्थान का नाम	विकास खण्ड	लाभार्थी संख्या पोषण किट
1	रायबरेली क्लब	राही	100
2	बूढनपुर	अमावां	7
3	पाहो गुलरिहा	खीरों	72
4	सामुदायिक केन्द्र रतापुर	राही	10
5	घुरवारा	डलमऊ	80
6	गंगागज	हरचन्दपुर	62
7	खैरहनी	बछरावां	65
8	तौली	महराजगंज	60
9	सी0एच0सी0 रोहनियां	रोहनियां	51
10	सी0एच0सी0 ऊंचाहार	ऊंचाहार	47
11	सी0एच0सी0 सरेनी	सरेनी	42
12	आरोग्य मंदिर चांदा	लालगंज	9
13	सी0एच0सी0 शिवगढ	शिवगढ	30
14	सी0एच0सी0 सन्दी नागिन	अमावां	65
		कुल पोषण किटः–	**700**

मॉडल आंगनवाडी केन्द्र का विकास एवं गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को पोषण पोटली वितरण परियोजना (प्रायोजकः कन्टेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लि0)–

आकांक्षी जनपद चित्रकूट के विकास खण्ड कर्वी के अन्तर्गत आंगनवाडी केन्द्र गढीवा तथा विकास खण्ड पहाडी के अन्तर्गत भुइहरी में कन्टेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लि0, नई दिल्ली के सहयोग से मॉडल आंगनवाडी केन्द्र का विकास एवं गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को पोषण पोटली वितरण परियोजना का संचालन किया

गया। स्वास्थ्य के क्षेत्र में आंगनवाडी केन्द्रो में पंजीकृत सभी गर्भवती/धात्री महिलाओं के साथ मासिक बैठक करके उनको पोषण एवं स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी गयी इसके साथ ही साथ उनको जगरूक किया गया। परियोजना के अन्तर्गत चयनित सभी महिलाओं/किशोरियों को 3 माह तक पोषण पोटली वितरण किया गया। परियोजना के दौरान प्रत्येक आंगनवाडी केन्द्रो पर सामुदायिक स्वास्थ्य शिविर विशाल आयोजन किया गया जिससे आसपास के गांव के लोग लाभान्वित हुए।

आकांक्षी जनपद चित्रकूट के चयनित आंगनवाडी केन्द्र एवं लाभार्थी विवरण

क्र0सं0	आंगनवाडी केन्द्र का नाम	विकास खण्ड	लाभार्थी संख्या पोषण किट	लाभार्थी संख्या स्वास्थ्य शिविर
1	गढीवा	कर्वी	27	173
2	भुइहरी	पहाडी	20	196

स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम – संस्थान द्वारा लोगों को उनके स्वास्थ्य के बारे में जागरूक करनें हेतु विगत कई वर्षों से लगा तार प्रय ास किए जा रहें है। स्वास्थ्य एवं स्वच्छता एक दूसरे के पूरक होतें है अच्छे स्वास्थ्य की परिकल्पना बिना स्वच्छता के प्रयासों से नही की जा सकती प्रत्येक नागरिक को अपने आसपास को स्वच्छ और साफ रखना उसका कर्तव्य होता है किन्तु जागरूकता के अभाव में बहुत लोग इस विषय में विचार नहीं करते है। जिसका परिणाम गंदगी से संक्रामक रोगों का फैलना शुरू हो जाता है। स्वास्थ को नुकसान होने से शारीरिक विकास बाधित होता है। कार्यक्रम के प्रथम चरण में ग्राम स्वास्थ्य समिति के साथ बैठकें आयोजित की गयी। बैठकों में समिति सदस्यों की क्षमता वृद्धि की

गयी तथा विषय विशेषज्ञ द्वारा स्वास्थ्य सुरक्षा के बारे में विस्तार से बताया गया। प्रत्येक गांव में किशोरी बालिकाओं की सैनीटरी नैपकिन का वितरण भी किया गया तथा इनके नियमित प्रयोग हेतु जागरूक किया गया। चयनित प्रत्येक गांव में सूचना, शिक्षा व संचार गतिविधियों के माध्यम से लोंगों को जागरूक करने हेतु

प्रयास किए गये। संस्थान के इस कार्यक्रम सभी चयनित गांव से 500 से ज्यादा लोग लाभान्वित हुए। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान, सचिव, अध्यापक, आशा बहू, पंचायत मित्र व अन्य ग्रामीणों ने सक्रिय सहभागिता दी।

S.No.	Village Name	Date	Beneficiary	Activities
1	Devanandpur	06.05.2024	51	
2	Garhi khas	11.05.2024	53	
3	Hardaspur	16.05.2024	48	
4	Rasehta	20.05.2024	52	
5	chakdadr	27.05.2024	56	Awareness Generation, Sanitary Pad Distribution, VHC meeting
6	Binda Singh Ka purva	05.06.2024	44	
7	Uframau	10.06.2024	47	
8	Dhamsirai Ka purva	14.06.2024	58	
9	Khaspari	18.06.2024	54	
10	Saraimugla	24.06.2024	56	

जल संचयन एवं सुरक्षित पेयजल जागरूकता कार्यक्रम– ग्रामीण समुदाय में वर्षा जल संचयन व पेयजल की संरक्षण पर आधारित प्रशिक्षण व जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन जनपद रायबरेली के सतांव ब्लाक के 8 गांवों में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत गांवों प्रोजेक्टर के माध्यम में जल संरक्षण की विधियां प्रसारित की गयी तथा लोगों को कठपुतली कार्यक्रम के माध्यम से जागरूक किया गया। गांवों के स्कूलों में जल संरक्षण आधारित रैली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में गांव के प्रधान, आशाबहू, आंगनबाडी कार्यकत्री, शिक्षक व सभी ग्रामीणों ने सक्रिय सहभागिता दी। कार्यक्रम के आयोजन से गांव व आसपास के अन्य गावों के लोगों में जल संरक्षण एवं सुरक्षित पेयजल के विषय में जागरूक हुए।

S.No.	Village Name	Date	Beneficiary	Activities
1	Nakfulha	04.07.2024	58	
2	Tikra	08.07.2024	61	
3	Kalyanpur	12.07.2021	48	
4	Purwa Pindor	15.07.2024	54	**Puppet Show & Awareness Meetings, Railly**
5	Dedani	19.07.2021	52	
6	Padri Ganeshpur	23.07.2024	47	
7	Vinohra	26.07.2024	56	
8	Kolwa Khurd	29.07.2024	43	

महिला एवं बाल विकास जागरूकता कार्यक्रम – आज के समय में जहां महिलाएं पुरूषों के साथा कन्धे से कन्धा मिलाकर चल रही है किन्तु आज के ग्रामीण परिवेश में महिलाओं को दरकिनार किया जा रहा है उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, क्षमता विकास आदि से वंचित किया जा रहा है। संस्थान विगत कई वर्षों से इससे सम्बन्धित कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। महिला व बाल विकास देश के विकास हेतु प्रमुख मुद्दा है। गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी संस्थान ने जनपद के सतांव ब्लाक के कुल 7 गांवों का चयन कार्यक्रम के आयोजन हेतु किया। कार्यक्रम के दौरान चयनित गांव की महिलाओं को दैनिक पोषक आहार, किचेन गार्डेन, बाल स्वास्थ्य आदि का प्रशिक्षण दिया गया। गांव में बच्चों व गर्भवती महिलाओं के पोषण हेतु पोषण किट का वितरण भी किया गया। किचेन गार्डेन की संख्या बढाने के उद्देश्य से निःशुल्क पौधों व बीजों का वितरण भी किया गया।

S.No.	Village Name	Date	Beneficiary	Activities
1	Chandauli	04.09.2024	28	**Meetings, Training on Nutrition, Nutrition Kit Distribution, Kitchen Garden Promotion**
2	Resakhurd	07.09.2024	31	
3	Nagdilpur	11.09.2024	30	
4	Tikra	16.09.2024	29	
5	Ahmadpur	20.09.2024	32	
6	Asanandpur	24.09.2024	28	
7	Jag jeevanpur	28.09.2024	33	

गरीब एवं जरूरतमंदों की सहायता कार्यक्रम – यह कार्यक्रम समदाशिनी फाउन्डेशन हांगकांग के सहयोग से जरूरतमंदो की सहायता के लिए किया जाता है। समदाशिनी फाउन्डेशन प्रत्येक वर्ष छोटी सी रकम जरूरतमंदो के लिए भेजती है। जिससे क्षेत्र में चिन्हित जरूरतों की सहायता में लगाया जाता है। इस वर्ष जनपद के अमावां ब्लाक के ग्राम सन्दीनागिन मे गर्भवती एवं धात्री माताओं के लिए पोषण पोटली वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 20 गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को पोषण पोटली वितरण किया गया। इन लाभार्थियों को संस्थान में चल रही अन्य योजनाओं के माध्यम से भी लाभान्वित किया गया। इन महिलाओं को स्वास्थ्य एवं पोषण कार्यक्रमों में जोडकर इनको समाज की स्वास्थ्य लाभ दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। गतवर्ष में इसी तरह की गतिविधियों के माध्यम से जरूरतमंद व गरीब महिलाओं, गभर्वती व धात्री माताओं को संस्थान के माध्यम से कम्बल वितरण प्रदान किया गया। इस प्रकार की गतिविधियों से लोगों में स्वास्थ्य को लेकर जागरूता आयी।

<u>योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा जागरूकता कार्यक्रम</u>– पौराणिक ग्रन्थों में भी योगा और प्राकृतिक चिकित्सा के महत्व को विस्तृत वर्णन है। आज की भागदौड़ की जिन्दगी मे प्राकृतिक चिकित्सा का प्रयोग कम होता जा रहा है। जिसकी जगह पर एलोपैथ दवाओं पर लोगों का विश्वास जमता जा रहा है। स्वास्थ्य विकार की समस्या लगातार विकराल रूप धारण करती जा रही है। जिसका प्रमुख कारण हमारा खानपान, अनियमित दिनचर्या व प्रदूषण है। हम पूर्णरूप से एलौपैथी पर निर्भर होते जा रहें है। जबकि वैदिक काल से ही योग का व्यापक प्रभाव रहा है। लोगों में योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा की जागरूकता लाने के लिए जनपद रायबरेली के मुख्यालय के पास के गांवों में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान योग गुरू द्वारा प्रत्येक गांव में योग कैम्प का आयोजन किया गया जिसमें एक मैदान प्रातः ग्रामीणों को योग कराकर प्रशिक्षण दिया गया। योग शिविर में लोगों को बताया गया कि योग हमारे शरीर को मजबूत, लचीला, त्वचा में चमक, शान्तिपूर्ण मन एवं अच्छा स्वास्थ्य देता है। हमयोग शारीरिक, मानसिक रूप से तथा श्वसन में लाभ देता है। योग हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। इसके पश्चात गांव के प्राथमिक विद्यालयों में प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञ द्वारा बच्चों को प्राकृतिक चिकित्सा के बारे में बताकर जागरूक किया गया और बताया गया कि प्राकृतिक चिकित्सा की जागरूकता से हम अपने शरीर को स्वस्थ रख सकते है। प्राकृतिक चिकित्सा के अन्तर्गत एक्यूप्रेशर एवं हमारी दैनिक उपभोग की वस्तुओं से ही रोग को ठीक किया जा सकता है। इस प्रकार के उपचार से हमारे शरीर को कोई भी नुकसान नहीं पहुंचता है और शरीर के साथ ही साथ मन भी स्वस्थ होता है जिससे हम अपने मे एक उर्जा महसूस करते है।

S.No.	Place/School/Village	Date	Beneficiary	Activities
1-	Janta Inter Collage Hardaspur	05.06.2024	77	**Yoga Camp, School Meeting**
2-	GGIC Devanandpur	08.06.2024	65	
3-	Rasehta Village & School	12.06.2024	116	
4-	Saray Mugla School & Village	15.06.2024	98	
5-	Uframau	18.06.2024	56	
6-	Khaspari	21.06..2024	47	
7-	Jamalpur	24.06.2024	54	

विश्वास संस्थानः शिक्षा के क्षेत्र में

मॉडल आंगनवाडी केन्द्र का विकास एवं गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को पोषण पोटली वितरण परियोजना (प्रायोजकः कन्टेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लि0)–
आकांक्षी जनपद चित्रकूट के विकास खण्ड कर्वी के अन्तर्गत आंगनवाडी केन्द्र गढीवा तथा विकास खण्ड पहाडी के अन्तर्गत भुइहरी में कन्टेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लि0, नई दिल्ली के सहयोग से मॉडल आंगनवाडी केन्द्र का विकास एवं गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को पोषण पोटली वितरण परियोजना का संचालन किया गया।

शिक्षा के क्षेत्र में आंगनवाडी केन्द्रो का सम्पूर्ण कायाकल्य के अन्तर्गत केन्द्रो में मरम्मत, रंगाई–पुताई, बाला पेंटिंग, सोलर एनर्जी प्लाण्ट, पेयजल, बाल मैत्री व महिलाओं हेतु शौचालय निर्माण, चाहरदीवारी निर्माण, शैक्षिक सामग्री, इण्डोर व आउटडोर गेम टूल्स, शैक्षिक सामग्री व बच्चों के लिए शैक्षिक किट आदि उपलब्ध कराया गया।

आकांक्षी जनपद चित्रकूट के चयनित आंगनवाडी केन्द्र एवं लाभार्थी विवरण

क्र0सं0	आंगनवाडी केन्द्र का नाम	विकास खण्ड	लाभार्थी संख्या शैक्षिक किट
1	गढीवा	कर्वी	40
2	भुइहरी	पहाडी	40

समग्र ग्रामीण विकास कार्यक्रम (प्रायोजकः बिरला कार्पोरेशन लि0)– यह परियोजना किसी भी पिछडे क्षेत्र के विकास के लिए एक सम्पूर्ण परियोजना है जिसके अर्न्तगत गांव का स्वास्थ्य शिक्षा तथा आजीविका सम्बन्धी गतिविधियां संचालित होती हैं। इसी क्रम में परियोजना के अन्तर्गत आंगनवाडी केन्द्रों, प्राथमिक विद्यालयों तथा इण्टर कालेजों में विगत कई वर्षों से बिरला कार्पोरेशन लिमिटेड, रायबरेली के सहयोग से जनपद के अमावां ब्लाक व शहरी क्षेत्र में समग्र ग्राम विकास परियोजना संचालित है। इस वर्ष परियोजना में नवाचार के क्रम में संस्थान द्वारा किशोरी बालिकाओं हेतु कम्प्यूटर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। परियोजना की विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से 5000 हजार से ज्यादा लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया।

चयनित गांव एवं लाभार्थी विवरण

क्र0सं0	गांव/आ0बा0के0 का नाम	लाभार्थी संख्या
1	रसेहता–I	138
2	रसेहता–II	165
3	पूरे बिन्दा सिंह	186
4	चक दादर	134
5	उफरामऊ	184
6	बूढनपुर	147
7	मंचितपुर	156
8	गढी खास	149
9	हरदासपुर–I	191
10	हरदासपुर–II	149
11	चक लोहराहार	167
12	सरावां–I	179
13	सरावां–II	142
14	कचौंदा नानकारी	159

शिक्षा संवर्धन कार्यक्रम – किसी भी व्यक्ति के सम्पूर्ण विकास में शिक्षा की अहम भूमिका होती है। किन्तु आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों को माध्यमिक स्तर तक ही पठाया जाता है जो कि न के बराबर होता है हमें बच्चों

को उच्च शिक्षा देना चाहिए जिससे वह आगे चलकर अपना परिवार बेहतर तरीके से चला सके। आधुनिक समाज में चाहे स्त्री हो या पुरूष समानरूप से उच्च शिक्षित होना चाहिए। एक शिक्षित माता पिता ही अपने परिवार को समुचित रूप से मार्गदर्शन दे सकतें है। ग्रामीण परिवेश आज भी लोगों में लडकियों को उच्च शिक्षा दिलाना अच्छा नही समझा जाता। कार्यक्रम के अन्तर्गत विद्यालयों में शिक्षक अभिभावक बैठकों का आयोजन किया गया। गांव में बच्चों के माध्यम से रैली निकाली गयी जिसमें गाव के निवासियों ने भी अपनी सहभागिता दी। विद्यालयों में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें विजेता छात्र/छात्राओं को पुरस्कृत भी किया गया। गांव के लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से बैठकों का आयोजन किया गया। प्रत्येक चयनित गांव में वीडियो वैन के माध्यम से प्रेरणादायक फिल्म दिखाकर लोगों को जागरूक किया गया।

S.No.	Place/School/Village	Date	Beneficiary	Activities
1-	Devanandpur	07.08.2024	125	Parents Meeting, Competition, Raily & Wall Writing, Video Van
2-	Khaspari	09.08.2024	132	
3-	Hardaspur	13.08.2024	146	
4-	Rasehta	17.08.2024	114	
5-	Uframau	20.08.2024	163	
6-	Sarai mugla	24.08.2024	169	

विश्वास संस्थानः कृषि के क्षेत्र में

केला एवं कृषि जागरूकता कार्यक्रम – उत्तर प्रदेश के किसान ज्यादातर पारम्परिक कृषि को ज्यादा महत्व देतें हैं। नकदी फसलों की कृषि व कृषि के आधुनिक तौर तरीकों से अन्जान है। किसानों की जागरूकता लाने के उद्देश्य से जनपद रायबरेली के विकास खण्ड सतावं के 6 गांवों का चयन परियोजना मे किया गया जिसमें अधिकतर किसान मिर्चा, धनिया व केले की खेती करते है और पास की बाजार में बेचते है।

किसान लगातार एक जैसी ही खेती कर रहे है जिसमें वह अधिक लाभ नही प्राप्त कर पाते है। इसी क्रम में संस्थान द्वारा चयनित गांवों में कृषक बैठकों का आयोजन किया गया जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डा0 कन्नौजिया ने किसानों को बताया कि खेती का आधुनिक तरीका अपनाए तो वह दुगुनी उपज के साथ ही साथ दुगुनी आय भी प्राप्त कर सकते है। किसानों ने अपनी समझ बढ़ायी जिससे फसल में लाभ प्राप्त हुआ। कुछ किसान कई वर्ष से लगातार केले की खेती कर रहें है अधिक लाभ नही प्राप्त कर पा रहे हैं। कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि वैज्ञानिक तरीके से की जाने वाली केले की फसल लाभ देने वाली होती है।आज के मशीनरी युग में सभी लोग इनके प्रत्यक्ष लाभ की गणना करतें है किन्तु परोक्ष रूप से उससे होने वाले नुकसान के बारे में अनभिज्ञ हैं। बैठक में प्रधान, ऑगनबाड़ी, आशाबहू, शिक्षक एवं संस्थान प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

S.No.	Place/School/Village	Date	Beneficiary	Activities
1	Dedaur	03.06.2024	63	Farmers Meeting & Awareness Generation
2	Dareeba	06.06.2024	59	
3	Manheru	10.06.2024	56	
4	Sataw	13.06.2024	62	
5	Salarpur	17.06.2024	58	
6	Kelauli	25.06.2024	57	

विश्वास संस्थानः कौशल विकास एवं आजीविका के क्षेत्र में

समग्र ग्रामीण विकास कार्यक्रम (प्रायोजकः बिरला कार्पोरेशन लि0)– विगत कई वर्षों से बिरला कार्पोरेशन लिमिटेड, रायबरेली के सहयोग से जनपद के अमावां ब्लाक व शहरी क्षेत्र में समग्र ग्राम विकास परियोजना संचालित है। परियोजनान्तर्गत कौशल विकास से सम्बन्धित विभिन्न प्रशिक्षण व जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहें है। परियोजनार्न्तगत चयनित गांवों में अति गरीब परिवारों की संख्या अत्यधिक है। सुविधाओं से वंचित इन गांवों में स्वास्थ्य, शिक्षा व रोजगार को लेकर जागरूकता नही है। लोगों जागरूक करने व समाज की मुख्यधारा से जोडने के लिए गांवों में सिलाई प्रशिक्षण, ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण व स्टार्ट–अप सपोर्ट आदि गतिविधियां आयोजित की गयी। इस वर्ष परियोजना में नवाचार के क्रम में

संस्थान द्वारा किशोरी बालिकाओं हेतु कम्प्यूटर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। परियोजना की विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से 100 से अधिक लाभार्थियों को प्रशिक्षित किया गया।

मोबाइल एवं घरेलू उपकरण मरम्मत प्रशिक्षण – वर्तमान युग मीडिया व मशीनों का युग है मशीनों पर लोगों की निर्भरता निरन्तर बढती ही जा रही है। जब इस तरह के उपकरण बाजार में उपलब्ध होतें है तो उनके प्रयोग करने पर खराब भी होतें है वर्तमान में मोबाइल व घरेलू उपकरणों की मरम्मत का बहुत बडा बाजार उपलब्ध है। इस क्षेत्र में कुशल कारीगरों की लगातार कमी बनी हुई है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए संस्थान ने पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी जनपद मुख्यालय एक प्रशिक्षण कक्ष की व्यवस्था करके 35–35 लाभार्थियों को 2 बैच बनाकर प्रशिक्षण का आयोजन किया। प्रशिक्षण में सभी लाभार्थियों को प्रशिक्षण हेतु सामग्री उपलब्ध करायी गयी। एक प्रशिक्षक की नियुक्ति करके एक माह का प्रशिक्षण पूर्ण कराया गया। इसके पश्चात इन सभी लाभार्थियों को अपना स्वयं का रोजगार शुरू कराने सहयोग भी किया गया। रोजगार से जुडकर लगभग सभी लाभार्थी अच्छी आजीविका का सृजन कर रहें है।

S.No.	Training Center	Duration	Participant	Trade
1-	Nagar Palika Colony - Devanandpur	01-July 2024 to 31-July 2024	35	Mobile Repairing Training
2-	Kolwa Khurd	01-Aug 2024 to 31-Aug 2024	35	Home Appliances Repairing Training

विश्वास संस्थानः सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में

सांस्कृतिक विकास कार्यक्रम – आज मल्टी मीडिया के युग में मनोरंजन पारम्परिक विधाएं विलुप्त होती जा रही है तथां पाश्चात्य सभ्यता हमारे नित्य प्रतिदिन के जीवन में लगातार अपना स्थान बना रही है। हमारा खानपान, भाषा शैली, रहन सहन के स्तर का अधिकांश भाग पाश्चात्य शैली से प्रभावित हो चुका है। लोगों को अपनी पारम्परियक विधाओं से परिचित कराने तथा लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से आम जनमानस में इन्ही तथ्यों से परिचय कराने तथा बच्चों में सांस्कृतिक विकास हेतु जवाबी कीर्तन का आयोजन किया गया जिसमें गांव में टेंट व कुर्सियों की व्यवस्था कराकर कीर्तन हेतु टीमों को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन रात में किया गया जिससे गांव के सभी लोग उपस्थित रह सकें। कार्यक्रम के समापन के पश्चात विजेता टीम को पुरस्कार भी दिया गया। कार्यक्रम के आयोजन से गांव के लोगों में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है तथा लोगों नें संस्थान के इस कार्यक्रम की सराहना की।

S.No.	Place/School/Village	Date	Beneficiary	Activities
1-	**Salarpur**	**10.04.2024**	215	
2-	**Shora**	**12.04.2024**	162	
3-	**Sarawa**	**16.04.2024**	193	
4-	**Gulupur**	**19.04.2024**	204	
5-	**Khuchma**	**22.04.2024**	168	
6-	**Kathwara**	**26.04.2024**	177	Jawabi Keertan

उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम– उपभोक्ताओं के अधिकारों के संरक्षण हेतु उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के अन्तर्गत प्रावधान किया गया है। उपभोक्ताओं को जागरूक करने के लिए जनपद के 8 गांवों का चयन कार्यक्रम हेतु किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रत्येक गांव में एव जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें उपभोक्ताओं के अधिकार के बारे में विस्तार से बताया गया। आजकल बाजार में विभिन्न तरीकों से उपभोक्ताओं से ठगी की जाती है। जिसके बारे में विस्तार से बताकर लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में सभी लोग एकत्र होकर आपस में विचार विमर्श किए और अपने विचार प्रस्तुत किए। विषय विशेषज्ञ श्री राजेन्द्र मौर्य ने बताया कि किसी भी वस्तु को प्रयोग करने पर गलत पाए जाने का संदेह हो या किसी दुकानदार द्वारा गलत व्यवहार या कीमत में संतुष्ट न होने पर जिले में उपभोक्ता फोरम पर शिकायत की जा सकती है। उपभोक्ता फोरम के माध्यम से उत्पादक, विक्रेता को नोटिस देकर फोरम कार्यालय में बुलाकर प्रश्नोत्तर किए जा सकते हैं व इस अधिनियम में जुर्माना या सजा या दोनो का प्रावधान किया गया है।

S.No.	Place/ Village	Date	Beneficiary	Activities
1-	Dareeba	11.05.2024	177	Nukkad Natak & Awareness Generation
2-	Saraymubarak	15.05.2024	190	
3-	Dedaur	21.05.2024	145	
4-	Ashanandpur	25.05.2024	157	
5-	Soitha	27.05.2024	162	
6-	Kilauli	07.06.2024	171	
7-	Sonika Mau	15.06.2024	184	
8-	Bathua Khas	19.06.2024	145	

सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम – सड़क सुरक्षा आम नागरिक के लिए एक महत्वपूर्ण विषय है। अधिकतर देखा गया है कि सड़क पर अधिकतर दुर्घटना यातायात के नियमों का पालन न करने पर होती है। आज के समय में वाहनो का प्रयोग बहुतायत होने लगा है। सडकों पर वाहनों की बहुत भीड होती है। इसी क्रम में वाहन दुर्घटनाएं आम हो गयी है। आम जनता में खास तौर से नए युवा वर्ग के लड़के एवं लड़कियों में जागरूकता लाने के लिए स्कूल एवं कालेज के बच्चों को सड़क सुरक्षा के नियमों के बारे में जानकारी दी गयी।

1. सड़क पर चलने वाले सभी लोगों को अपने बॉये तरफ ही चलना चाहिए खासतौर पर गाड़ी चलाने वाले को भी और दूसरी तरफ से आ रहे वाहन को जाने देना चाहिए।
2. साइकिल से जाने वाले बच्चों को साइकिल चलाते समय दोस्तों से बात नही करनी चाहिए पूरा ध्यान सड़क पर आने जाने वाले साधनों पर होना चाहिए।

3. साइकिल या दोपहिया बाहन की गति बहुत तेज नही होनी चाहिए जब वह भीड़ वाले स्थान पर हो।
4. सभी वाहनों को दूसरे वाहनों से निश्चित दूरी बनाकर रखनी चाहिए।
5. रेलवे क्रासिंग पर गेट बन्द होने पर नही निकलना चाहिए।
6. कोई भी वाहन चलाते समय मोबाइल फोन पर बात नही करनी चाहिए।

यदि हम सभी सड़क यातायात के नियमों का ध्यान रखे तो बहुत दुर्घटनाएं कम हो सकती है। अपनी एवं दूसरों की जिंदगी को सुरक्षित रखना हमारा पहला कर्तव्य है।

S.No.	Place/ Village	Date	Beneficiary	Activities
1-	Priya Dhaba	**02.08.2024**	111	Awareness Program, Nukkad Natak Team
2-	Awasthi Dhaba	05.08.2024	115	
3-	Gohanna	10.08.2024	124	
4-	Jalalpur	14.08.2024	128	
5-	Bibipur	17.08.2024	104	
6-	Thulwasa	22.08.2024	112	

आगामी वर्ष हेतु प्रस्तावित कार्यक्रम– संचालित कार्यक्रमों के साथ–साथ संस्थान आगामी वित्तीय वर्ष में अन्य विभिन्न कार्यक्रमों के सफल संचालन हेतु प्रयासरत है–

- कृषि एवं औषधीय पौधों की खेती कार्यक्रम।
- समग्र ग्रामीण विकास कार्यक्रम।
- खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण एवं विपणन।
- महिला एवं बच्चों का अधिकार जागरूकता कार्यक्रम।
- सडक सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम।
- मसाले और केले के किसानों हेतु जागरूकता कार्यक्रम।
- मोबाइल एवं घरेलू उपकरण मरम्मत प्रशिक्षण।
- पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम।
- कौशल विकास कार्यक्रम।
- साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्र।
- स्वास्थ्य कार्यक्रम (स्वास्थ्य शिविर)।
- काष्ठ शिल्प एवं सजावटी सामान विकास परियोजना।

संस्थान विगत 25 वर्षों से अपने लक्ष्य एवं उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निरन्तर प्रयासरत है। हम आपके वांछित सहयोग एवं मार्गदर्शन की अपेक्षा रखतें है।